पञ्चसंग्रह (फोल्डर नं. ००१०१४)

मूल-अमितगति आचार्य – सम्पादन-दरबारीलाल कोठिया

मुख्य टाइटल

विषयसूची

अमितगति

प्रथमः परिच्छेदः

सामान्यजीवसंख्या ---------- १

गुणस्थानानाम् स्वरूपम् ---------- २

गुणस्थानेषु जीवसंख्या ---------- ८

जीवसमासप्ररूपणा ---------- १३

प्राणप्ररूपणा ---------- १९

पर्याप्तिप्ररूपणा ---------- १९

मार्गप्ररूपणा ---------- १९

गतिमार्गणा ---------- २०

इन्द्रियमार्गणा ---------- २१

कायमार्गणा ---------- २१

योगमार्गणा ---------- २३

वेदमार्गणा ---------- २५

कषायमार्गणा ---------- २६

ज्ञानमार्गणा ---------- २७

संयममार्गणा ---------- ३०

दर्शनमार्गणा ---------- ३१

लेश्यामार्गणा ---------- ३२

भव्यमार्गणा ---------- ३६

सम्यक्त्वमार्गणा ---------- ३६

संज्ञामार्गणा ---------- ४४

आहारमार्गणा ---------- ४५

उपयोगप्ररूपणा ---------- ४५

द्वितीयः परिच्छेदः

प्रकृतिस्तवः ---------- ४८

तृतीयः परिच्छेदः

कर्मप्रकृतिबन्धस्तवः ---------- ५३

बन्धादिनिरूपणम् ---------- ५४

गुणस्थानेषूत्तरप्रकृतिबन्धः ---------- ५६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

गुणस्थानेषूत्तरप्रकृत्युदयः -- ५९
गुणस्थानेषूत्तरप्रकृतिस्तवम् -- ६३
प्रश्नचूलिका -- ६७
चतुर्थः परिच्छेदः
मार्गणासु जीवसमासाः --- ७३
मार्गणासु गुणस्थानानि --- ७५
मार्गणासूपयोगाः --- ७७
मार्गणासुयोगाः -- ७९
जीवसमासेषूपयोगाः ---८१
जीवस्थानेषु योगाः --८१
गुणस्थानेषूपयोगाः -- ८२
गुणस्थानेषु योगाः --- ८२
बन्धप्रत्ययाः -- ८३
मार्गणायाम् बन्धप्रत्ययाः --- ८६
गुणस्थानेषु बन्धप्रत्ययाः -- ८८
अष्टकर्मबन्धः ---११२
बन्धोदयोदीरणाः ---११३
स्थाबन्धः(भुजाकारादयः) -- ११७
प्रकृतिबन्धः -- १२८
स्थितिबन्धः--- १३०
अनुभागबन्धः -- १३९
प्रदेशबन्धः -- १४६
पञ्चमः परिच्छेद
प्रकृतिस्थानानि -- १४९
ज्ञानान्तराययोः बंधादित्रिभंगी -- १५०
दर्शनावरणस्य बंधादित्रिभंगी -- १५१
गोत्रस्य बंधादित्रिभंगी -- १५२
वेद्यस्य बंधादित्रिभंगी-- १५३
आयुषः बंधादित्रिभंगी -- १५४
मोहनीयस्य बंधादित्रिभंगी -- १५५
नामकर्मणः बंधादित्रिभंगी --- १६१
जीवस्थानेषु बंधादित्रिभंगी -- १९०
गुणस्थानेषु बंधादित्रिभंगी -- १९६
ज्ञानावरणान्तराययोः स्थानभंगः -- १९६
दर्शनावरणस्य स्थानभंगः -- १९६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

वेदनीय स्थानभंगः -- १९७
आयुषः स्थानभंगः --- १९८
गोत्रस्य स्थानभंगः --- २००
मोहनीयस्य स्थानभंग -- २०१
योगगुणिताः -- २०६
उपयोगगुणिताः -- २०९
लेश्यागुणिताः -- २१०
वेदगुणिताः --२११
नामकर्मणः स्थानभंगाः -- २१५
मार्गणायाम् बंधादित्रिभंगी -- २१८
ग्रन्थकर्तुः प्रशस्तिः -- २३८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org